समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

गुड़ी पड़वा पर बड़ी राहत : Western Railway की 16 लोकल अब 15 डिब्बों मे चंलेगी

Sanket Morankar Published on 18 Mar 2026

Mumbai में लोकल ट्रेनों की भारी भीड़ से जूझ रहे यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। Western Railway ने 12 डिब्बों वाली 16 लोकल ट्रेनों को 15 डिब्बों में बदलने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 19 मार्च 2026 से लागू होगी।

बढ़ेगी ट्रेनों की क्षमता

इस फैसले के बाद प्रत्येक ट्रेन में यात्रियों की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। पहले जहां 12 डिब्बों में सीमित यात्री सफर कर पाते थे, अब 15 डिब्बों के साथ अधिक लोगों को जगह मिल सकेगी।

इसके साथ ही 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों की कुल संख्या 211 से बढ़कर 227 हो जाएगी। हालांकि, कुल फेरे (1,414) पहले की तरह ही रहेंगे।

किसे मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा ?

यह निर्णय रोजाना नौकरी, व्यवसाय और पढ़ाई के लिए सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा।

खासकर पीक आवर्स में चलने वाली 8 सेवाओं के 15 डिब्बों में बदलने से ऑफिस जाने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

क्यों लिया गया फैसला ?

Mumbai की उपनगरीय रेल सेवा पर रोजाना भारी दबाव रहता है। बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के कारण लोकल ट्रेनों में भीड़ गंभीर समस्या बन चुकी है।

इसी को देखते हुए यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कैसे होगी लागू ?

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, चयनित 12 डिब्बों वाली ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से 15 डिब्बों में बदला जाएगा। समय-सारणी में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा, सिर्फ क्षमता बढ़ाई जाएगी।

यात्रियों को क्या होगा फायदा ?

इस बदलाव से लोकल ट्रेनों में भीड़ कम होगी, चढ़ने-उतरने में आसानी होगी और यात्रियों की सुरक्षा भी बढ़ेगी। दरवाजों पर लटककर यात्रा करने जैसी जोखिम भरी स्थिति में कमी आने की उम्मीद है।

Western Railway का यह फैसला Mumbai के लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। आने वाले समय में इससे लोकल यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनने की उम्मीद है। [?]

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.